वैकल्पिक चिकित्सा कौनसी?

स्वावलंबी अथवा परावलम्बी,सहज अथवा दुर्लभ, सरल अथवा कठिन, सस्ती अथवा महंगी। प्रकृति के सनातन सिद्धान्तों पर आधारित प्राकृतिक अथवा नित्य बदलते मापदण्डों वाली अप्राकृतिक। अहिंसक अथवा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हिंसा, निर्दयता, क्रूरता को बढ़ावा देने वाली। दुष्प्रभावों से रहित अथवा दुष्प्रभावों वाली। शरीर की प्रतिकारात्मक क्षमता बढ़ाने वाली अथवा कम करने वाली। रोग का स्थायी उपचार करने वाली अथवा क्षणिक राहत पहुँचाने वाली। सारे शरीर को एक इकाई मानकर उपचार करने वाली अथवा शरीर का टुकड़ों-टुकड़ों के सिद्धान्त पर उपचार करने वाली। उपर्युक्त मापदण्ड के आधार पर हम स्वयं निर्णय करें कि कौनसी चिकित्सा पद्धतियाँ मौलिक हैं और कौनसी वैकल्पिक ?परन्तु अज्ञानवश आत्मविश्वास एवं मौलिक चिन्तन के अभाव में उपरोक्तमापदण्ड वाली अन्य प्रभावशाली स्वावलंबी चिकित्सा पद्धतियों से जुड़े अधिकांश चिकित्सक भी आधुनिक चिकित्सा के भ्रामक विज्ञापनों से भ्रमित हो, स्वयं की चिकित्सा पद्धतियों को स्वयं ही वर्तमान में वैकल्पिक स्वीकारते हुए संकोच नहीं करते। अत:उनसे सम्यक् चिंतन की अपेक्षा है।

– डॉ. चंचलमल चोरडिया

चोरडिया भवन, जालोरी गेट के बाहर,
थार हैण्डलुम के सामने, गोल बिल्डिग रोड़, जोधपुर-342003 (राज.)
(फोन) : 0291-2621454,2632267(घर), 2435471 (फैक्स),
094141-34606(मोबाइल)
E-Mail : cmchordia.jodhpur@gmail.com
swachikitsa@therapist.net